श्री डूंगरगढ़ क्षेत्र की जैव विविधता को संरक्षण की जरूरत

स्थानीय नाम गगू, (Egyptian Vulture) उदासर चारणान व श्री डूंगरगढ़

यह रेगिस्तान में बहुतायत में था, अब कुछ ही गांवों में देखने को मिलता है।

Cinereous Vulture श्री डूंगरगढ़ में मृत पशुओं को डालने के स्थान पर हैं

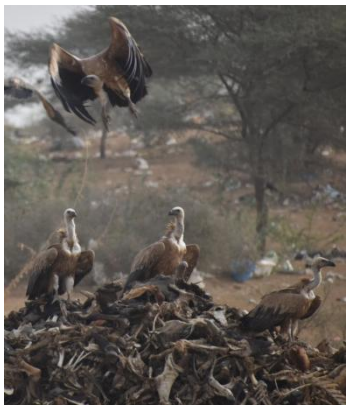

गिद्ध (Vulture) बीकानेर के जोहड़ बीड़ के बाद श्री डूंगरगढ़ में अलग–अलग प्रजाति के गिद्ध देखने को मिलते हैं। श्री डूंगरगढ़ में दिखने वाले गिद्ध (Eurasian Griffon Vulture) प्रजाति के प्रतीत होते हैं। पहले यह हर गांव की रोही में बड़ी तादात में देखने को मिलते थे। यह मृत पशुओं के अवशेष का भक्षण कर पर्यावरण शुद्ध करते हैं।

श्री डूंगरगढ़ क्षेत्र की जैव विविधता को संरक्षण की जरूरत

स्थानीय स्तर पर कुरदांतली के नाम से पुकारे जाने वाले इस पक्षी का नाम Red-Napedibis है। पहले यह प्रत्येक गांवों में देखने को मिलता था, लेकिन इनकी संख्या भी कम हो रही है। शामलात शोध यात्रा के दौरान लालासर, और आडसर में देखा गया। यह पक्षी मृत पशुओं के अवशेष के साथ खेती में नुकसान पहुंचो वाले कीड़ों का भक्षण करते हैं।

तीतर बहुतायत में हैं, यह किसन के मित्र हैं। फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खाते है।

किंग फीशर मनकरासर गांव में। ना जोहड़, ना तालाब, फिर भी रेगिस्तान के साथ रिश्ता है।

स्थानीय भाषा में बुलबुल नामक चिड़िया पिकनोनॉटिडी (Pycnonotidae) कुल की चिड़िया है

सुगन चीड़ी